करंट लगने से पिता-पुत्र की मौत

नल-जल योजना की मोटर को सुधारने के दौरान हादसा

शहडोल, देशबन्धु। बिजली के करंट की चपेट में आने से पिता और पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक बुरी तरह से झुलस गया जिसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज शहडोल में भर्ती किया गया है। घटना जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत नौगई की है।

इस संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत बुढार क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत नौगई में संचालित नल जल योजना पिछले कई दिनों से मोटर पम्प खराब हो जाने के कारण बंद थी। मोटर पम्प को सुधारने के लिए मिस्त्री को बुलाया गया था। मिस्त्री पुरुषोत्तम कोरी उम्र लगभग 55 वर्ष निवासी भाठिया अपने पुत्र प्रशांत कोरी उम्र लगभग 27 वर्ष और एक स्थानीय श्रमिक सुखबीर सिंह उम्र लगभग 23 वर्ष के साथ मोटर पम्प को सुधारने का कार्य कर रहा था। मोटर पम्प सुधारने के दौरान अचानक लोहे का पाइप बगल में स्थित बिजली के तार से टच हो गया और तीनों करंट की चपेट में आ गए। पुरुषोत्तम कोरी और उसके पुत्र प्रशांत कोरी की मौके पर ही मौत

हो गई, जबकि सुखबीर सिंह बुरी तरह से झुलस गया जिसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज शहडोल में ले जाया गया। घटना रविवार दोपहर लगभग 3 बजे की है।

जैतपुर थाना प्रभारी राजकुमार गायकवाड़ ने बताया कि इस पूरे मामले की विवेचना की जा रही है और इस बात का पता लगाया जा रहा है कि इन मिस्त्री और श्रमिक को किसके द्वारा काम करने के लिए बुलाया गया था। उन्होंने बताया कि इस लापरवाही में जो भी शामिल पाया जाएगा उसके खिलाफ विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

नौगई में जो नल जल योजना संचालित है वह लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग(पी एच ई) और ग्राम पंचायत के अंतर्गत आती है। पिता-पुत्र की मौत के बाद अब यह सवाल उठ रहा है कि पी एच ई या फिर ग्राम पंचायत के किस जिम्मेदार के द्वारा इन मिस्त्री को काम पर बुलाया गया था। और यदि ये मिस्त्री काम कर रहे थे तो पी एच ई या ग्राम पंचायत का कोई भी जिम्मेदार वहां देख रेख करने के लिए क्यों मौजूद नहीं था।

मनचले को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

शहडोल, देशबन्धु। जिले में एक छात्रा को स्कूल जाते वक्त रास्ते में एक मनचले ने इस कदर परेशान किया कि उस छात्रा ने स्कूल जाना ही बंद कर दिया। जब कई दिनों तक छात्रा स्कूल नहीं गई तो परिजनों ने कारण पूछा तब यह मामला सामने आया। इसके बाद पीड़ित बालिका के परिजन थाने पहुंचे और उन्होंने इस संबंध में पुलिस में प्रकरण दर्ज कराया। पुलिस ने आरोपी मनचले को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना जिले के अमलाई थाना क्षेत्र की है।

अमलाई थाना प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश शर्मा ने बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत रहने वाली एक 14 वर्ष

स्कूल जाने के दौरान छात्रा से करता था छेड़छाड़

की किशोरी 9 वीं कक्षा की छात्रा है। थाना प्रभारी ने बताया कि जब उक्त छात्रा स्कूल जाती थी तभी रास्ते में गिरवा ग्राम में रहने वाला एक मोटर मैकेनिक अजय चौधरी छात्रा के साथ छेड़छाड़ करता था। इतना ही नहीं इस मनचले ने कई बार छात्रा का हाथ पकड़ने की भी कोशिश की, जिससे परेशान होकर उसने स्कूल जाना ही छोड़ दिया और परिजनों को इसकी जानकारी दी।

थाना प्रभारी श्री शर्मा ने बताया कि आरोपी अजय चौधरी उम्र 22 वर्ष के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं और 7/8 पास्को एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

पत्रकारों के साथ की गई पुलिस की कार्यवाही को लेकर नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

पन्ना, देशबन्धु। प्रदेश में लगातार पत्रकारों के साथ अधिकारीयों द्वारा वास्तविक खबरें प्रकाशित करने को लेकर उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। जिसकों लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार नें मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर मामलों की निश्पक्ष जांच करने तथा दोषी अधिकारीयों के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की गई है। पत्र में उन्होनें उल्लेख करते हुए लेख किया है कि मुझे विदित हुआ है कि नर्मदापुरम जिले की कलेक्टर सोनिया मीणा और पन्ना जिले के एक पुलिस सब इंस्पेक्टर ने लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ पत्रकारों के साथ अपनी मर्यादा से बाहर जाकर दुर्वयवहार और अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया है। कलेक्टर नर्मदापुरम ने भोपाल के दो पत्रकारों कुलदीप सिंगोरिया और अभिषेक दुबे के साथ अपनी व्यक्तिगत कुंठा निकाली और उन्हें झूठे मामलों में उलझाया।

सार-समाचार

अभिषेक उर्फ आसू साहू जिला बदर

शहडोल, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. केदार सिंह ने शहडोल पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन के आधार पर मप्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3.1, धारा-5 की कंण्डिका (क) एवं (ख) तथा सहपठित धारा 7 के अंतर्गत प्राप्त शक्तियों के तहत अनावेदक अभिषेक साहू उर्फ आसू साहू पिता लक्ष्मी नारायण साहू, उम्र 32 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 32 किरन टाकीज के पास शहडोल, थाना कोतवाली शहडोल, जिला शहडोल (म.प्र.) की चतुर्दिक राजस्व सीमा तथा सीमा से लगे हुये म.प्र. राज्य के जिला सीधी, मैहर, उमरिया, एवं अनूपपुर चतुर्दिक राजस्व की सीमाओं से 06 माह की कालावधि के लिये निष्कासित करने का आदेश जारी किया है।

जारी आदेश में कहा गया है कि अनावेदक इस आदेश की प्राप्ति के 24 घंटे के अंदर विनिर्दिष्ट जिलों से बाहर जाकर अपने आचरण में सुधार करें तथा इस आदेश के प्रभावशील रहने की अवधि में अनावेदक बिना लिखित अनुमति के उपरोक्त निर्दिष्ट जिलों की सीमाओं के अंदर प्रवेश नहीं करेगा। आदेश का उल्लंघन करते पाये जाने पर अनावेदक के विरूद्ध म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 14 के अंतर्गत कार्यवाही की जायेगी।

स्टेट बैंक पन्ना मुख्य शाखा की व्यवस्था बेपटरी, उपभोक्ता परेशान

पन्ना, देशबन्धु। स्टेट बैंक पन्ना मुख्य शाखा के उपभोक्ता इन दिनां बैंक की लचर व्यवस्था से भारी परेशान है, स्टेट बैंक के कर्मचारी उपभोक्ताओं से अभद्रता पूर्वक व्यवहार करते है तथा किसी भी कार्य के लिए पंहुचने वाले उपभोक्ताओं को परेशान करते है। एवं काम न करते हुए लगातार टाल मटोल करतें है। बैंक में पास बुक बनवाने आधार कार्ड, कवाईसी करवानें, बैंक बेलेन्स पता करने सहित बैंक के अन्य कार्यो के लिए उपभोक्ता पंहुचते है लेकिन उनको कोई जानकारी बैंक कर्मियों द्वारा नहीं दी जाती है। अनेक सीटे खाली रहतीं है कर्मचारी भी नहीं बैठते है। इन तमाम समस्याओं को लेकर स्टेट बैंक के लापरवाह पूर्ण रवैया से लोग परेशान है। कार्य कराने के लिए आने वाले उपभोक्ता लाईन में लगें रहते है समय के पूर्व लंच हो जाता है या सर्वर का बहाना बना दिया जाता है तथा लंच समय पूर्ण हो जाने के बावजूद समय से संबंधित कर्मचारी अपनी सीट पर नहीं बैठतें है। इस प्रकार अनेक प्रकार की समस्याओं से स्टैट बैंक मुख्य शाखा पन्ना की कार्यप्रणाली से लोग परेशान है। स्थानीय उपभोक्ताओं ने स्टेट बैंक के वरिष्ट अधिकारीयों तथा जिला प्रशासन से बैंक की व्यवस्था में सुधार कराये जाने की मांग की है।

वीरेंद्र कांग्रेस पार्टी के प्रदेश महासचिव बने

पन्ना,देशबन्धु। बहु प्रतीक्षित मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी बीते दिवस आलाकमान की स्वीकृति मिलने के बाद घोषित कर दी गई है। जिसमें पन्ना जिले से एक मात्र कांग्रेस नेता वीरेंद्र द्विवेदी को महासचिव बनाया गया है। हालांकि श्री द्विवेदी का नाम इस कार्यकारिणी में आएगा यह पूर्वानुमान था कारण यह है कि वह लंबे समय से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के साथ काम कर रहे हैं और उनके निकटतम लोगों में जाने जाते हैं। श्री द्विवेदी इसके पूर्व में भी प्रदेश कांग्रेस कमेटी में महासचिव के पद पर कार्य कर चुके हैं उनकी राजनीतिक सफर की शुरुआत कांग्रेस के छात्र संगठन एन एस यू आई से शुरू हुई उसमें प्रदेश स्तर पर काम किया उसके बाद संपन्न हुए वर्ष 2011में युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ा इसमें वह दूसरे नंबर पर रहे और प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में काम करने का अवसर मिला। श्री द्विवेदी को कांग्रेस संगठन के चुनाव वर्ष 2022 में एपीआरओ बनने का मौका मिला और वह मेघालय राज्य के सह चुनाव प्रभारी बनाये गये थे। उसके पूर्व वर्ष 2017 में दूसरे राज्य में जिला निर्वाचन अधिकारी बनाया गया था। वर्तमान में एआईसीसी के मेंबर भी है। श्री द्विवेदी को प्रदेश महासचिव बनाए जाने पर जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं, पार्टी पदाधिकारीयों, ईष्ट मित्रो, शुभ चिंतको नें हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है तथा शीर्ष नेत्रत्व का आभार व्यक्त किया है।

छत्रसाल महाविद्यालय में कुश्ती व योग प्रतियोगिता का किया आयोजन

पन्ना, देशबन्धु। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के आदेश के परिपलन में जिला स्तरीय कुश्ती एवं योग प्रतियोगिता का आयोजन छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पन्ना द्वारा किया गया। उपरोक्त प्रतियोगिता में गुनौर महाविद्यालय एवं पन्ना महाविद्यालय के छात्र एवं छात्राओं ने सहभागिता की जिसमें पन्ना महाविद्यालय जिला स्तर पर विजेता बना एवं शासकीय महाविद्यालय गुनौर को उप विजेता के खिताब से नवाजा गया।

घोरछत नाला से रेत का अवैध उत्खनन

जिम्मेदार बेखबर

उमरिया,देशबन्धु। इन दिनों रेत के वैध एवं अवैध कारोबार को लेकर उमरिया जिला खासा सुर्खियां बटोर रहा है। रेत को लेकर किसी महाकाल कंपनी के कारनामों की अखबारों में सुर्खियां हो या फिर दूरदराज के ग्रामों में अवैध रूप से फल-फूल रहे रेत के कारोबार का मामला हो। इन सब बातों की जन चर्चा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जोरों पर है।

ऐसा ही एक मामला उमरिया जिले के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत कछारी के ग्राम करीं का प्रकाश में आया है। एक समय था जब ताला मार्ग पर स्थित डेंगरहा नाला में रेत का अवैध कारोबार करने वाले लोगों का आधिपत्य हुआ करता था। ठीक उसी तरह इन दिनों ग्राम करीं के घोरछत नाले में रेत माफियाओं का एक छत्र राज कायम है। ग्रामीणों की माने तो वहां यह हाल है कि अवैध रेत से भरे ट्रैक्टर रात दिन धमाचौकड़ी मचाए हुए हैं। रेत माफिया नाले से भारी मात्रा में रेत का खनन कर सारे नियम कायदों को ताक में रखकर खनिज संपदा से भरे नाले का सीना छलनी करने में आमादा हैं तो दूसरी ओर तमाम दावों की पोल खोलते हुए शासन-प्रशासन को ठेंगा दिखा रहे हैं। वहीं खनिज, राजस्व एवं वन विभाग को खुलेआम चुनौती भी दे रहे हैं। बताते चलें कि करीं ग्राम के इस नाले से खुलेआम अवैध रूप से रेत का दोहन हो रहा है और खनिज विभाग को जानकारी नहीं है या फिर विभाग कुंभकर्णी नींद में सो रहा है। यह बात आम लोगों के गले नहीं उतर रही है।

फल-फूल रहा यह धंधा-यह कहने में अतिशयोक्ति नहीं होगी कि जिस प्रकार से ग्राम पंचायत कछारी के इलाके में अवैध रेत का कारोबार फल फूल रहा है। यह बिना किसी के शह के संभव नहीं है। शासन की संपत्ति को लूटने वाले अवैध रेत के कारोबार पर न खनिज विभाग, वन विभाग और न ही राजस्व विभाग लगाम लगा पा रहा है। रेत के अवैध कारोबार पर लगाम न लगा पाने की इन विभागों की मजबूरी अपने आप में कई सवालों को जन्म देती है। अवैध रेत के धंधे पर प्रशासन कब नकेल कसता है, यह देखने की बात होगी।

अज्ञात वाहन ने युवक को रौंदा, टुकड़ों में बटा शव

उमरिया, देशबन्धु। उमरिया जिले के पाली क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे 43 में अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल सवार को कुचल दिया। जिसकी वजह से उसकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वाहन की चपेट में आने से मृतक के शरीर के टुकड़े-टुकड़े हो गए।

दरअसल, यह पूरा मामला उमरिया जिले के पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत घुनघुटी के बिजोरा टोला के पास का है। जहां बीती सड़क हादसे मे एक युवक की मौत हो गई, जिसके बाद आसपास के क्षेत्र में सन्नाटा पसर गया। मिली जानकारी के अनुसार भारत झरिया पिता रामदास झरिया उम्र लगभग 32 वर्ष अपने ससुराल धनपुरी से वापस अपने ग्रह ग्राम मुदरिया जा रहा था। तभी सड़क दुर्घटना का वह शिकार हो गया है। इस हादसे में पूरी तरह से उसके परखच्चे उड़ गए हैं। जानकारी के अनुसार युवक के शरीर के अंगों को समेट कर लाना पड़ा।

22 भैंसों से भरा ट्रक जब्त, ड्राइवर गिरफ्तार

उमरिया, देशबन्धु। उमरिया जिले की मानपुर पुलिस ने भैंसों से भरे ट्रक को जब्त करते हुए ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। सहायक उप निरीक्षक आनंद केदार ने बताया कि रविवार को पुलिस को सूचना मिली थी कि ट्रक में भैंसें भरकर ले जाई जा रही हैं।

पुलिस ने ट्रक को रुकवा कर की जांच- उमरिया में बांधवगढ टाइगर रिजर्व के पनपथा कोर परिक्षेत्र में बाघ के हमले से चरवाहा घायल हो गया। जानकारी के बाद बीटीआर की टीम चरवाहे को मानपुर अस्पताल में भर्ती कराया है। शनिवार को पनपथा कोर परिक्षेत्र के बीट चंसूरा के कक्ष क्रमांक 445 के ग्राम कोठिया के राम मिलन यादव जंगल में मवेशी चरा रहे थे। तभी उनपर बाघ ने हमला कर दिया। जिससे उनके दाये हाथ के बाजू में पंजे के निशान बन गए। परिक्षेत्र अधिकारी आर एस पटले ने बताया कि घायल को सहयोग राशि दे दी गई है।

दीपावली में जिला पंचायत का सचिवों को तोहफा

उमरिया, देशबन्धु। जिला पंचायत उमरिया के व्दारा अभी हाल में ही एक पंचायत एक सचिव की मंशा को मूल रूप देते हुए पद स्थापना की गयी है।

जिससे वर्षों से एक सचिव को एक से अधिक पंचायत से हटाकर उनके मूल पद स्थापना वाली पंचायतों में पद स्थापित किया गया है ।इस आदेश से जहां एक ओर लंबे अरसे से जिला पंचायत के चौखट पर माथा रगड़ने वाले सचिवों को एक झटकें में निलंबन से मुक्ति मिल गई है वहीं वित्तीय अधिकार से भी नवाजे गए हैं । जिला पंचायत के इस आदेश पर जानकार लोगों की मिली जुली प्रतिक्रिया सामने आयी है । पंचायत से जुड़े सूत्रों का मानना है कि

गबन कर्ताओं और मानसिक रोगियों को भी मिला लाभ

एक पंचायत एक सचिव से जहां आम लोगों को काम करने में सुविधाएं मिलेंगी, वही पर विधि विशेषज्ञो का कहना है कि शासकीय राशि के गबन करने वाले सचिवों को एक बार फिर शासन की तिजोरी की चाबी थमा उन्हें एक सुनहरा अवसर देकर शासकीय राशि की हेराफेरी का अवसर मिल गया है । जानकार सूत्रों का कहना है कि इस आदेश से जहां पर पंचायतों में हुए सचिवों की ताजपोशी से जिला पंचायत की आमदनी में बरक्कत होने की चर्चाएं आम हो गयी है। इस आदेश से एक बड़ी मुश्किल यह खड़ी हो गई है कि इस आदेश में कुछ मानसिक रोगियों और कुछ शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तिओं को भी पंचायत सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गयी है ।

कुछेक पंचायत सचिव की मानसिक स्थिति ख़राब होने के कारण वर्षों से उनके पुत्र काम कर रहे थे , क्या अब पुत्र ही डी एस सी चलायेंगे , तों कुछ सचिव लकवा ग्रस्त जिनकी न तो मानसिक स्थिति ठीक है और न ही शारीरिक रूप से चल फिर पा रहे हैं । इस स्थिति में इन पंचायतों की बागडोर संभालने की जिम्मेदारी कौन सम्हालेंगे।

छत्रसाल पार्क में चालीस कर्मचारी पदस्थ होने के बावजूद पार्क की स्थिती बदतर

पन्ना,देशबन्धु। पन्ना जिला मुख्यालय में स्थित छत्रसाल पार्क राजेन्द्र उद्यान सबसे पुराना पार्क है, जिसका उद्याटन तत्कालीन राष्ट्रपती राजेन्द्र प्रसाद द्वारा सन् 1956 में किया गया था। तथा उक्त पार्क नगर पालिका के आधीन संचालित है, संबंधित पार्क पूर्व में बहुत सुन्दर एवं अच्छा था एवं अनेक प्रकार के फूल एवं पौधे लगें हुए थें। लेकिन वर्तमान समय में पार्क की स्थिती बदतर है।

पार्क में फूल ढूड़नें के लिए ही नहीं मिलतें है। पार्क में नगर पालिका द्वारा चालीस कर्मचारी पार्क की देखरेख के लिए रखे गयें है। लेकिन पार्क में बमुश्किल आधा दर्जन से भी कम कर्मचारी काम करते नजर आतें है। क्योकि अधिकांश कर्मचारी नेता अधिकारीयों के घरों मे सेवाए दे रहे है। पार्क मे चारो तरफ गंदगी का आलम है, जगह जगह, कचरे के ढेर लगें हुए है। झाड, झंगाड तथा वर्षात में होने वाला चारा एवं विभिन्न प्रकार के अनावश्यक पेंड़ पौधे लगें हुए है। पार्क मे लगाई गई, दस लाख की जिम पूरी तरह से खराब हो गई है, बच्चो के खेलने के लिए कोई भी प्रकार के झूला तथा अन्य साधन नहीं है। पानी का फव्वारा लगाया गया था वह भी खराब हालत में है। लाखो रूपये की लागत से ट्रेन एवं पटरी बनाई गई थी वह भी वर्षो से खराब पड़ी हुई है। लोगो को योगा करने के लिए सेड नगर पालिका द्वारा बनाया गया है लेकिन वह बमुश्किल बारह बाई पन्द्रह में केवल शमसान घाट की तरह सेड खड़ा कर दिया गया है। किसी प्रकार का चबुतरा आदि का निर्माण नहीं किया गया है। इस प्रकार से प्राचीन छत्रसाल पार्क की दुर्दशा को देखा जा सकता है, जबकी पार्क में घूमने के लिए बाहर दूर दराज से प्रतिदिन सैकड़ों लोग आते है, लेकिन बदतर स्थिती देख कर चले जातें है। स्थानीय लोगो नें जिला प्रशासन से पार्क की व्यवस्था में सुधार कराये जाने की मांग की है।

जिले भर में डीएपी खाद की किल्लत

किसान परेशान, कैसे होगी रबी फसल की बोनी

पन्ना, देशबन्धु। विगत एक माह से पन्ना जिले के किसान खाद्य की समस्या को लेकर भारी परेशान है, किसानों को खाद्य नहीं मिल रहीं है, जबकी बोनी का सही समय चल रहा है, डीएपी खाद्य गेंहू, चना, मशूर के लिए अति आवश्यक है, लेकिन प्रशासनिक लापरवाही के चलते खाद्य की भारी कमी है, किसान बोनी सें बंचित हो रहें है, लगातार इस मामले को लेकर जिला से लेकर प्रदेश स्तर का खाद्य उपलब्ध कराने की मांग की जा रही है। लेकिन संबंधित विभागो के अधिकारीयों द्वारा इस दिशा में पूर्व में कोई प्रयास नहीं किये गयें है जिससे जिले को खाद्य उपलब्ध नहीं हुई है। पूरे जिले के किसान खाद्य को लेकर भारी परेशान है। क्योकि डीएपी खाद्य के बिना किसानों की फसल की बोवाई नहीं हो सकती है, जहां एक ओर भाजपा सरकार किसान हितैशी अपने आप को बता रहीं है, वहीं दूसरी ओर किसानों को समय पर खाद्य, बीज उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, इससे बड़ी शर्मनाक बात क्या हो सकती है, जानकारी लेने के लिए जिम्मेवार अधिकारीयों को मोबाईल लगाने पर पर मोबाईल ही नही उठाते है या फिस व्यस्त बताता है, जिले भर में खाद्य को लेकर हा हा कार मचा हुआ है।

बेली में पेड़ों पर चल रह कुल्हाड़ी, वन विभाग पर उठे सवाल

बिरसिंहपुर पाली,देशबंधु। वन परिक्षेत्र पाली क्षेत्र के बेली और जमुहाई में सड़क मार्ग के किनारे जमुहाई गांव के आदिवासियों ने एक साथ 27 पेड़ों को कत्लेआम काट दिया है । वन विभाग ने इसके विरूद्ध कडी कार्यवाही करते हुए 48 लोगों के विरुद्ध सामुहिक प्रकरण दर्ज किया करते हुए चालानी कार्रवाई शुरू कर मामले को न्यायालय में प्रस्तुत करने की कार्यवाही जारी है ।

इस संबंध में वन परिक्षेत्राधिकारी पाली सचिन कांत ने बताया कि बेली से जमुहाई गांव के लिए विद्धूत लाइन का काम किया गया था, लेकिन बिजली सप्लाई जारी नहीं की गयी थी ,अब एक बार फिर से विद्धूत विभाग का काम किया जा रहा था । इस बीच गांव वालों को कतिपय लोगों व्दारा भ्रामक जानकारी देकर की पेड़ों के चलते बिजली सप्लाई जारी नहीं हो पा रही,जिसके चलते ग्रामीणों ने एक साथ 27 पेड़ों को काट दिया। इस मामले से वन विभाग ने ग्रामीणों के विरुद्ध सामुहिक कार्यवाही की गयी है, जबकि कटाई स्थल से बमुश्किल दो -तीन किलोमीटर दूर पर वन विभाग के चार वन रक्षक और 06 सुरक्षा कर्मी निवास रत रहकर सेवा में तैनात रहते हैं।इस संवेदनशील मामले

में वन विभाग के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने अपने विभागीय कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों पर कोई कार्यवाही नहीं की,जो कि सवालों के घेरे में है । बताया जाता है कि जिन ग्रामीणो के ऊपर वैधानिक कार्यवाही की गयी है , उनमें सुरक्षा कर्मियों के परिजन भी शामिल हैं।

जानकार सूत्रों का कहना है कि इस अवैध कटाई में सुरक्षा कर्मियों ने भी हिस्सा लेकर पेड़ों को कत्लेआम कराने में अपनी भूमिका निभाई है , तभी तो पूरे गांव के लोगों ने सामुहिक रूप से पेड़ों को चुन चुन कर पूरी रात काटा गया और वन विभाग मूकदर्शक बनकर कुंभकर्णीय निद्रा में मस्त रहा ।वन विभाग के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को भी इन पेड़ों के काटे जाने का अफसोस है पर इनके हाथ न जाने कार्यवाही के नाम पर बंधे हुए हैं । घटना के पश्चात वन विभाग के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौके पर अमले के साथ पहुंचकर पेड़ों की काटी गई लकड़ियो की जब्ती सहित पेड़ों के काटने वाले 48 गुनाह गारो को खोज निकाली लेकिन अपने विभाग में कार्यरत सुरक्षा कर्मियों पर कोई कार्यवाही नहीं की ।

जबकि इस पूरे मामले में उन गुनाह गारो से भी अधिक गुनाह गार यह सुरक्षा कर्मी है कि उन्हीं के बीच के लोग उन्हीं के घरो, मोहल्ले से निकल कर रात भर पेड़ों की कटाई किये और सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोकना तों दूर अपने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना देना भी उचित नहीं समझा । सुरक्षा कर्मियों की जिम्मेदारी यह होती है कि वनों की सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभायेंगे इनके काम कोई दिन के लिए तय नहीं है फिर भी सुरक्षा कर्मियों को रात में पेड़ काटे जाने से अभय दान देकर लापरवाही को एक हाथ और बढ़ा दिया गया है । वन विभाग में कार्यरत सुरक्षा कर्मियों को एक लंबे अरसे से रखकर उन्हें मनमानी पूर्ण कार्य कराने की आजादी है , तभी तो वनों की अवैध कटाई से लेकर अवैध उत्खनन,आदि के कामों में इनकी संलिप्तता देखी जा सकती हैं । वनो मे गर्मी के दिनों में भयंकर आग की लपटे और जलते वन की भयावहता देखी जा सकती हैं ।फिर भी कभी भी इनसे पूछं ताछ नहीं की जाती कि जंगल में आग क्यों लगी, पेड़ कैसे कटे , उत्खनन कैसे हुआ । आखिर कार यह ज्वलंत सवालो के घेरे में सुरक्षा कर्मी है ।यह सब जान - बूझकर भी विभाग के ओहदे वर अधिकारियों ने इन्हें भस्मासुर बनने का वरदान दे रखा है ।सड़क किनारे काटे गए पेड़ों से वन परिक्षेत्राधिकारी अत्यंत मर्माहत है और उन्होंने ने ग्रामीणों को समझाते हुए कहा कि इन पेड़ों के कटने से जो नुकसान हुआ है वह अपूरणीय क्षति है, हमारी आने वाली संतानों को आक्सीजन और गर्मी से जो जुझना पड रहा है वह पेड़ों की कमी के चलते हों रहीं हैं । पेड़ हमारे जीवन के लिए बहुत जरूरी है , इनकी कभी भी कटाई नहीं करना चाहिए । जो शिक्षा वन परिक्षेत्राधिकारी ने ग्रामीणों को दिया है वह काबिले तारीफ है, परन्तु इसकी झलक अपने मातहत कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों को भी दे पाते तो शायद यह दिन देखने को नहीं मिलता । बताया जाता है कि जो काटे गए पेड़ों में 09 पेड़ साल के भी शामिल हैं, इसके अलावा हर्रा, बहेड़ा, चार ,महुआ जैसे वनोपज देने वाले पेड़ो के साथ सतकढा के पेड़ शामिल हैं ।